3रा अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन (कॉन्फ्रेंस)

23-26 जून, 2012 नई दिल्ली

बहुभाषिक प्रसंग में अनुवाद, टेक्नोलॉजी एवं वैश्वीकरण

इंडियन ट्रांसलेटर्स ऍसोसिएशन और लिंग्वाइंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

स्थान: इंस्तीतूतो सेर्वान्तेस, ४८, हनुमान रोड, कनाट प्लेस, नई दिल्ली

इन दिनों अनुवाद एवं भाषा-सम्बंधी सेवाओं की माँग काफी बढ़ी है। अनुवाद की जरूरत केवल साहित्य तथा अंत:सांस्कृतिक कार्यकलापों के संवर्द्धन के लिए नहीं है, बल्कि यह टेक्नोलॉजी एवं स्थानिकीकरण की प्रक्रिया के अभिन्न अंग बन चुके वैश्वीकरण के परिदृश्य में कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए भी एक अत्यावश्यक साधन है।

आज जबकि पूरी दुनिया में अपनी पहुँच रखने वाली कम्पनियाँ ऐन वक्त पर और स्थानीय भाषा में अपने ग्राहकों से सम्पर्क करना चाहती हैं तो अनुवाद कार्य की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो उठती है। अत:, यह स्पष्ट है कि विगत दशकों में स्थानिकीकरण की प्रक्रिया कुछ सॉफ्टवेयर पब्लिशरों के समेकित प्रयास से कहीं बढ़कर अरबों डॉलर के प्रोफेशनल रोजगार में तब्दील हो चुकी है। स्थानिकीकरण, वेबसाइट का भूमंडलीकरण, भाषा अभियंत्रण, एवं सॉफ्टवेयर का अंतर्राष्ट्रीयकरण - ये सब उन कम्पनियों के लिए महत्वपूर्ण विषय बन गए हैं जो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपने उत्पादों का विक्रय करना चाहती हैं। कई मामलों में तो उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति और सफलता के लिए स्थानिकीकरण एक मुख्य कारक साबित हुआ है।

अनुवाद, स्थानिकीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं टेक्नोलॉजी ने दुनिया भर के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकलापों को अभूतपूर्व गतिशीलता प्रदान की है। विश्व की एक बड़ी शक्ति होने के नाते, भारत अपने आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रणालियों के दायरे में क्रांतिकारी परिवर्तनों के दौर से गुजरा है और इससे सूचना प्रौद्योगिकी तथा व्यवसाय-प्रक्रिया आउटसोर्सिंग का मार्ग प्रशस्त हुआ है। स्थिर, आर्थिक विकास एवं सुधारों के कारण भारतीय अर्थतंत्र को रिकॉर्ड स्तर पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और संयुक्त उपक्रमों को आकृष्ट करने में मदद मिली है, और इस कारण से स्थानीय तथा विदेशी भाषा-सेवाओं की माँग बढ़ी है। इस बात पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि संवाद के अत्यावश्यक साधन के रूप में खुद भाषाएँ परिवर्तन के कई मुकामों से गुजरी हैं ताकि वे आर्थिक परिवर्तनों की रूप-रेखा तय करने वाले एक अनिवार्य तत्व के रूप में अपनी भूमिका निभा सकें। अत: भाषा सीखने का कार्य केवल स्वाभाविक अर्जन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक विशेष क्षेत्र बन गया है जिसके लिए प्रोफेशनल प्रशिक्षण और तकनीकी संयोजन की जरूरत है।

इसलिए, अब वक्त आ गया है कि अनुवाद कार्य करने वाले लोग अपनी सफलता के आत्म-रोमांस में ही न डूबे रहें बल्कि एक सतत विकसित होती टेक्नोलॉजी (जिसमें CAT टूल्स एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट टूल्स इत्यादि भी शामिल हैं) के साथ कदम मिलाते हुए चलें और स्वयं को निरन्तर जटिल होती उन प्रोफेशनल अपेक्षाओं के अनुरूप ढालते हुए चलें जिनमें शामिल हैं अच्छी व्यावसायिक कार्य-प्रथाएँ, प्रोजेक्ट प्रबंधन सम्बंधी प्रक्रियाएँ, शब्दावली प्रबंधन, गुणवत्ता के मानकों का सृजन, तथा प्रभावी ग्राहकीय सेवाएँ।

अत: स्पष्ट है कि कहाँ क्या कमी है यह पता लगाने और भाषा-सेवाओं से जुड़े प्रोफेशनल लोगों, अनुवादकों, दुभाषियों और सेवा-प्रदाताओं एवं सेवा ग्रहण करने वालों सहित अन्य उपक्रमियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने की जरूरत है ताकि इस क्षेत्र में प्रस्तुत अपार अवसरों का अधिकाधिक उपयोग किया जा सके।
इंस्टीच्यूटो सरवैंटिस, नई दिल्ली, में विगत 16-19 दिसम्बर 2010 को "राष्ट्र-निर्माण, राष्ट्रीयता एवं परा-राष्ट्रीयतावाद" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन से यह पता चला कि अनुवादक किस प्रकार सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन की दिशा में अपनी महती भूमिका निभाते हैं एवं सतत विकसित रूप से उपलब्ध ज्ञान व सूचनाओं के संवितरण में सहायता देते हैं, और यह कि भारतीय प्रसंग में समाज के सभी तबकों तक ज्ञान के प्रसार में मदद देते हुए उनकी भूमिका किस तरह और अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है - एक ऐसे भारतीय समाज में जो कि बहुभाषिक एवं बहु-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में विभिन्न उप-संस्कृतियों और उप-पहचान वाले समुदायों का रंग-बिरंगा रूप प्रस्तुत करता है।

"बहुभाषिक प्रसंग में अनुवाद, टेक्नोलॉजी एवं वैश्वीकरण" विषय पर आयोजित तीसरा अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन इन परिचर्चाओं का विस्तार करते हुए अनुवादकों को प्रशिक्षित करने की चुनौतियों और उनके प्रोफेशनल विकास के उपरान्त अनुवाद, टेक्नोलॉजी एवं वैश्वीकरण के आपसी सम्बंध पर बहस का अवसर प्रदान करता है।

इस पृष्ठभूमि के आलोक में, बहुभाषिक प्रसंग में अनुवाद, टेक्नोलॉजी एवं वैश्वीकरण विषय पर आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में निम्नांकित बातों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा:

मुख्य विषय-क्षेत्र

अ

- वैश्वीकरण, अंतर्राष्ट्रीयकरण, स्थानिकीकरण एवं अनुवाद
- वैश्वीकरण और टेक्नोलॉजी के आपसी सम्बंध में अनुवाद का स्थान
- अनुवाद एवं भाषाओं के बारे में सरकार की नीति
- संवाद के माध्यम एवं मास मीडिया

ब

- अनुवाद एवं भाषांतर के क्षेत्र में शिक्षण का कार्य
- अनुवाद के प्रति सैद्धांतिक नजरिया
- अनुवाद के क्षेत्र में शिक्षण कार्य की चुनौतियाँ
- एक व्यवसाय के रूप में अनुवाद एवं भाषांतरण सेवा
- अनुवाद सेवा-प्रदाताओं की भूमिका

स

- विशिष्ट पाठों का अनुवाद कार्य (वैज्ञानिक, तकनीकी, चिकित्सकीय, इत्यादि)
- वैश्विक बाजार में अनुवाद प्रबंधन
- टीम-रचना तथा अनुवाद सेवाओं की मार्केटिंग
- अनुवाद कार्य में गुणवत्ता के स्तर
- पारिभाषिक शब्दावली प्रबंधन एवं अनुवाद प्रोजेक्ट प्रबंधन

द

- प्रकाशन उद्योग व अनुवाद
- अनुवाद का कॉपीराइट: सिद्धांत और प्रयोग
- विषयवस्तु प्रबंधन

इ

- अनुवाद कार्य में मशीन एवं मेमोरी टूल्स
- अनुवाद में टेक्नोलॉजी और नव-कल्पना

आपके आलेख आमंत्रित हैं

अधिवेशन की आयोजन समिति द्वारा उपरोक्त विषयों पर आपके आलेख आमंत्रित किए जाते हैं। आलेख का सारांश (400 शब्दों में) 20 अप्रैल 2012 तक भेज दिए जाएँ। अपना सारांश प्रस्तुत करते समय कृपया अपने आलेख का शीर्षक लिखें और साथ में अपना संक्षिप्त बायोडाटा और फोटो हमें भेज दें। अपना पता, फोन नं, और ईमेल आईडी लिखना न भूलें। अपने सारांश, आलेख और यदि कोई पूछताछ हो तो इस पते पर लिखें: आईटीए इंडिया सेक्रेटैरियेट, ईमेल: info@itaindia.org या हमें इन नम्बरों पर फोन करें: +91-11-26291676/41675530 मोबाइल: +91-9810268481 / +91-8287636881 Web: www.itaindia.org Skype: itaindia.net

अधिवेशन की मुख्य बातें

- मुख्य वक्ताओं और समसामयिक विषयों पर चार दिनों का मुख्य अधिवेशन
- अधिवेशन के पहले और बाद में कार्यशालाएँ, राउंड-टेबुल्स तथा छोटे समूहों के लिए रोजगार मेला
- प्रमुख अनुवाद टूल्स एवं सेवा-प्रदाताओं के स्टॉल

- अनुवाद एवं सांस्कृतिक सेवा के क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की नुमाईश

किन्हें भाग लेना चाहिए?

- अनुवाद क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक, प्रोफेसर, शिक्षाविद एवं शोधकर्ता
- अनुवाद, भाषांतरकार एवं भाषा-सेवी
- भाषा के छात्र (भारतीय और विदेशी भाषाएँ)
- BPOs एवं शोध एजेन्सियों के प्रमुख एवं प्रबंधक
- अनुवाद एवं दुभाषिया सेवा एजेन्सियों के प्रमुख एवं प्रबंधक
- भाषा प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के प्रमुख
- विषय-सामग्री लेखक, स्थानिकीकरण एवं वैश्वीकरण प्रबंधक
- प्रकाशन समूहों के प्रतिनिधि
- संपादक, प्रूफ रीडर्स
- अनुवाद एवं भाषान्तर सेवाओं के क्रेता
- CAT टूल सेवा-प्रदाता
- क्वालिटी कंट्रोल प्रबंधक

प्रमुख तिथियाँ

सारांश भेजने की अन्तिम तिथि (बढ़ाने के बाद): 30 अप्रैल 2012
स्वीकृति की सूचना: 5 मई 2012
पूर्ण आलेख प्रस्तुत करने की आखिरी तिथि: 30 मई 2012
रजिस्ट्रेशन के लिए भुगतान: 15 मई 2012

प्रत्येक प्रतिभागी के लिए शुल्क (निम्नांकित शुल्क जल्द रजिस्ट्रेशन कराने वालों के लिए है - **15 मई 2012** तक)

कॉर्पोरेट/कम्पनी या संस्थाओं के प्रतिनिधि	भारतीय रु. 7500/-
अनुवादक / दुभाषिये / लेखक / भाषा-सेवी / शिक्षक / प्रोफेसर / विद्वान / एजेन्सियाँ / प्रकाशक	भारतीय रु. 2500/-
विदेशी प्रतिनिधि	अमेरिकी डॉलर 200/-
सभी भुगतान डिमांड ड्राफ्ट / पार चेक / नगद के रूप में भेजे जाएँ जो कि **LINGUAINDIA** (लिंग्वाइंडिया) के नामे नई दिल्ली में देय हो। भुगतान निम्नांकित पते पर भेजे जाएँ: सेक्रेटैरियेट, इंडियन ट्रांसलेटर्स ऍसोसिएशन, के-5/बी, लोअर ग्राउंड फ्लोर, कालकाजी, नई दिल्ली 110019	